No. of Printed Pages : 8

BPYE–002

BACHELOR'S DEGREE PROGRAMME

(BDP)

Term-End Examination

December, 2025

Elective Course : Philosophy

BPYE–002 : TRIBAL AND DALIT PHILOSOPHY

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 100*

Note : *(i) Answer all the **five** questions.*

(ii) All questions carry equal marks.

*(iii) Answers to question nos. **1** and **2** should be in about **400** words each.*

1. Discuss in detail the significance of folklore in tribal life. 20

Or

Make a comparative analysis between Ambedkar and Gramsci's thoughts.

2. Write a long note on philosophy of caste domination. 20

Or

Write a note on structural violence against Dalits. To what extent Indian constitution is able to provide security to Dalits against structural violence ? Discuss.

3. Answer any *two* of the following questions in about **200** words each :

   (a) Write a note on social folk customs. 10

   (b) Discuss how nature is celebrated in tribal societies. 10

   (c) How far Dalit movements have shaped the Dalit discourse in the present ? Give arguments in favour of your answer. 10

   (d) Discuss in detail the representations of Dalits in Hindu scriptures. 10

4. Answer any *four* of the following questions in about **150** words each :

   (a) Why Mundas and Oraons have left the Indus Valley ? 5

   (b) Write a short note on village organization in tribal society. 5

   (c) What do you understand by Tribal Philosophy ? 5

   (d) Define the term 'Dalit' and its meaning in the contemporary period. 5

   (e) Write a note on origin of caste. 5

   (f) Discuss the major acts of Indian constitution which protect Dalit's rights. 5

5. Write short notes on any *five* of the following in about **100** words each :

   (a) Mundas 4

(b) Good omens in context of marriage 4

(c) Etic, Emic and Ethos 4

(d) Good and Evil 4

(e) Reform movements and the Dalit problem 4

(f) Subaltern Historiography 4

(g) E. V. Ramaswamy Naicker Periyar 4

(h) Hegemony in Dalit politics 4

BPYE–002

स्नातक उपाधि पाठ्यक्रम

(बी. डी. पी.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2025

ऐच्छिक पाठ्यक्रम : दर्शनशास्त्र

बी.पी.वाई.ई.-002 : जनजातीय एवं दलित दर्शन

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *(i) सभी **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

(ii) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

*(iii) प्रश्न क्रमांक **1** और **2** के उत्तर लगभग **400-400** शब्दों में दीजिए।*

---

1. जनजातीय जीवन में लोककथाओं के महत्व की विस्तृत चर्चा कीजिए। 20

अथवा

अम्बेडकर और ग्राम्शी के विचारों के मध्य तुलनात्मक विश्लेषण कीजिए।

2. जातीय प्रभुत्व के दर्शन पर दीर्घ टिप्पणी लिखिए। 20

अथवा

दलितों के विरुद्ध संरचनात्मक हिंसा पर टिप्पणी लिखिए। भारतीय संविधान दलितों को संरचनात्मक हिंसा से किस हद तक सुरक्षा प्रदान करने में समर्थ है ? चर्चा कीजिए।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **200-200** शब्दों में दीजिए :

(क) सामाजिक लोक रीति-रिवाजों पर टिप्पणी लिखिए। 10

(ख) चर्चा कीजिए कि जनजातीय समाजों में प्रकृति का जश्न कैसे मनाया जाता है। 10

(ग) वर्तमान में दलित आन्दोलनों ने किस हद तक दलित विमर्श को आकार प्रदान किया ? अपने उत्तर के समर्थन में युक्तियाँ प्रस्तुत कीजिए। 10

(घ) हिन्दू धर्मग्रंथों में दलितों के प्रतिनिधित्व की विस्तृत चर्चा कीजिए। 10

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर लगभग 150-150 शब्दों में दीजिए :

(क) मुंडा और औरांव जनजातियों ने सिन्धु घाटी क्यों छोड़ दी ? 5

(ख) जनजातीय समाज में ग्राम संगठन पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए। 5

(ग) जनजातीय दर्शन से आप क्या समझते हैं ? 5

(घ) समकालीन युग में 'दलित' पद और इसके अर्थ को परिभाषित कीजिए। 5

(ङ) जाति की उत्पत्ति पर टिप्पणी लिखिए। 5

(च) भारतीय संविधान के उन मुख्य प्रावधानों की चर्चा कीजिए जो दलित अधिकारों का संरक्षण करते हैं। 5

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** पर लगभग 100-100 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) मुंडा जनजाति 4

(ख) विवाह के संदर्भ में शुभ शकुन (शगुन) 4

(ग) एटिक, एमिक, ऐथोस (लोकाचार) 4

(घ) शुभ और अशुभ 4

(ङ) सुधार आन्दोलन और दलित समस्या 4

(च) सबऑल्टर्न इतिहास लेखन 4

(छ) ई. वी. रामास्वामी नाइकर पेरियार 4

(ज) दलित राजनीति में प्रभुत्व 4

× × × × ×